>

Title: Need to appoint local postmen from state itself to address linguistic issues.

श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावा (बारदौली) : माननीय सभापति जी, हमारे देश के हर गांव में छोटे-छोटे पोस्ट आफिसेज़ हैं । उन पोस्ट आफिसेज़ के डाकिया अपने निकटतम हेड पोस्ट आफिस जाकर पत्र, मनी आर्डर, विधवा पेंशन और कई सारी सरकारी योजनाओं की सहायता गावं-गांव तक पहुंचाते हैं । आज डाकिया एक चलता-फिरता बैंक बन चुका है । आदरणीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी की सोच की वजह से जो अनपढ़ लोग हैं, अब उनके लिए भी अंगूठाछाप डिजिटल अकाउंट की व्यवस्था करवाई गई है, जिसके जरिए से एक मैसेज से 5,000 रुपये तक की कैश डिलिवरी डाकिया हर घर तक पहुंचाते हैं ।

माननीय सभापति जी, ऐसे डाकियों की नियुक्ति एक राज्य से दूसरे राज्य में होती है।...(व्यवधान) इसकी वजह से स्थानीय लोगों में नाराज़गी रहती है, भाषा की भी परेशानी होती है और विश्वास संपादन में भी शंका-कुशंका रहती है । इतने कम वेतन में डाकियों के जीवन-यापन में भी अत्यधिक परेशानी होती है ।

माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से मांग करता हूं कि डाकियों की नियुक्ति अपने राज्यों में ही की जाए, ताकि स्थानीय लोगों को न्याय मिल सके ।

HON. CHAIRPERSON: Shri Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Parbhubhai Nagarbhai Vasava.